

दंडुषत् RV. 3, 3, 1. ये भद्रं दूषयन्ति स्वधाभिः 7, 104, 9. इदं दूषयता वि-  
षम् AV. 6, 100, 2. 4, 29, 7. कृत्याः 8, 5, 2. 3, 9, 5. 4, 18, 5. — नाग्निदूषिताः  
— दण्डाः M. 2, 47. मध्यमकं तद्यावदिदानीं चतुःशालकमपि दूषयामि  
Māh. 46, 20. दूषयेच्चास्य (श्रेः) सततं यवसानोदकेन्धनम् M. 7, 195, R. 5,  
73, 20. दूषयत्प्रतिपथं विषादिद्रव्ययुक्तिभिः । वृत्तान्कुसुमवल्लीश्च तोया-  
नि च तृणानि च ॥ KATHAS. 19, 84, 84. दूषयितानां द्रव्याणां दूषणे M. 9,  
286. यस्मादूषयते धातून् Suçr. 2, 253, 1. (वनम्) पुरा यदूषितं नित्यं त्वया  
भक्षयता नरान् MBh. 1, 5992. सद्विराचरितः पन्था येन स्तब्धेन दूषितः  
Bhāg. P. 4, 2, 10. तस्याभिषेकसंभारं कल्पितं दूषयामास वैकेयी शोकाग्निः  
पार्थिवान्निभिः Ragh. 12, 4, M. 5, 104, 125. Jāñ. 1, 189, 315. MBh. 1, 1641.  
R. 2, 28, 2. 3, 1, 24. Ragh. 8, 67, 10, 48, 12, 30. Kām. Nitis. 7, 19. AMAR.  
70. Pāñkāt. 184, 16. Bhāg. P. 3, 31, 26. Prabh. 2, 10, 104, 4. SADDH. P. 4,  
19, b. तव नैषा दूषयते कुलम् Hip. 4, 5. MBh. 13, 4288. का मात्रा समुद्र-  
स्य यो मम प्रसूतिं दूषयिष्यति Pāñkāt. 74, 25. न च किंचिद्विंशं काव्य-  
स्य दूषयन्तः श्रुतिदृष्टयो दोषाः किं तर्हि सर्वमेव काव्यम् Sāh. D. 3, 8.  
न त्वेवं दूषयिष्यामि शस्त्रग्रहमहात्मम् 69, 8. 1 क तावद्वतिनामुपोढतप-  
सो विद्विस्तपो दूषितम् Pāñkāt. 106. संयमः किमेति जन्मनस्त्वया — दूष्यते  
(so ist zu lesen) कृष्णसर्पशिषुनेव चन्दनम् 177. दूषयन्तं तपस्तेजः क्रोधम्  
MBh. 1, 6841. अविज्ञातावसक्तेन दूषिता मम वाससा । ह्यदिता शरद्वेण  
चन्द्रलेखेव राजते Māh. 23, 9. साधसद्विषयत्तद्वद्वय Hit. 11, 64. ein  
Mädchen, eines Andern Frau verunehren, schänden: यो ऽकामो दूषये-  
त्कन्याम् M. 8, 364, 368. माता मे येन दूषयता MBh. 13, 1890. HANIV.  
9993. Bhāg. P. 1, 33, 22. दूषयिता HANIV. 8344. THIR. 2, 6, 1 (wo so st.  
अभूषिता zu lesen ist). कन्यात्वे दूषिते MBh. 1, 2406. दूषयितकामारा  
KATHAS. 26, 180. In der Astrol. verderben, Unheil über Etwas bringen: क्षिति-  
सुतभेदवक्रदूषितं यत् VARAH. BRH. S. 13, 31, 6, 2. verfälschen: यः प्रवृत्तो  
श्रुतिं सम्यक्शास्त्रं वा मुनिभिः कृतम् । दूषयत्यनाभिज्ञाय तं विद्याद्वल्लया-  
तिनम् ॥ MBh. 13, 1683. — 2) als falsch, verkehrt, sündhaft bezeich-  
nen, tadeln: तदूषयात् Schol. zu Kap. 1, 26. व्यर्थं जीवितमालोक्य पेतृ-  
भ्यामय दूषितम् KATHAS. 7, 52. दूषितं धर्मशास्त्रैः परदारभिमर्शनम् MBh.  
13, 1469. यथा क्रतुषु विप्राणां सोमपानं न दूषितम् KULĀRṆAVAT. in Verz.  
d. Oxf. H. 91, b, 20. न वाचं दूषयिष्यामि sov. a. ich werde mein Wort nicht  
zurücknehmen MBh. 12, 7256. — 3) Jmd schlecht machen, entschuldigen,  
demoralisiren: (लक्ष्माः) दूषयत्युन्नतात्मनः RĀGA-TAN. 5, 6. Jmd schlecht  
machen so v. a. einer Schlechtigkeit zeihen, beschuldigen, beschimpfen  
Jāñ. 1, 66. मरुदयश्च दुर्बुद्धिर्मादृश्यं ह्यदूषयत् । दूषितः सर्वलोकेषु नि-  
षादत्वं गमिष्यति ॥ R. 1, 39, 20, 17 (GORR. 61, 18). यः सौहृदे पुरुषं स्थाप-  
यित्वा पश्चादेनं दूषयते स बालः MBh. 2, 2433. परस्परं दूषयन्तौ Pāñkāt.  
97, 1, 59, 11. BHARTṚ. 2, 59. दूषितं einer Schlechtigkeit geziehen, mit  
einem Makel behaftet, blossgestellt H. 436. M. 6, 66, 8, 64, 10, 29. MBh.  
14, 135. Pāñkāt. III. 241, 41, 5. KATHAS. 14, 56. In comp. mit dem näher  
angegebenen Makel: प्रभयः स्मयदूषिताः BHARTṚ. 3, 2. अनुत्थानं RĀ-  
GA-TAN. 5, 252. मन्युं 6, 197. शत्रुपञ्चायं KULL. zu M. 7, 62; vgl. वैद्य-  
व्यमलदूषिता R. 4, 19, 26. शेषकषायं Bhāg. P. 4, 2, 20, wo die Bed.  
verunreinigt, befleckt noch deutlich hervortritt. — 4) Jmd (gen.) zu nahe  
treten: किं नु ते ऽदूषयद्राजा R. 2, 74, 3. न दूषयामि ते MBh. 4, 2228.  
न कुप्ये तव धर्मज्ञं न त्वं दूषयसे मम 12, 688. — 5) neben दूषयति soll  
nach P. 6, 4, 91 auch दोषयति gebraucht werden, wenn von einer Be-

fleckung der Seele die Rede geht: चित्तं दूषयति oder दोषयति कामः  
Sch. Vor. 18, 21. — 6) das partic. दूष्यन् (!) in der Bed. beschimpfend,  
beleidigend in der Stelle: अभ्युपेयं द्विजं दूष्यन्पृथग् उत्तमसारुम्  
Jāñ. 2, 296.

— अनु in Folge von Etwas demoralisirt werden, — allen Muth ver-  
lieren: अनुदूष्येपुरपरं पश्यतस्तव पौरुषम् MBh. 5, 4543.

— अभि, partic. अभिदूष्य verunreinigt: रजस्वलाभिदूष्य (दानं) MBh.  
13, 1575. — caus. es Jmd anthon, übel einwirken auf, Schaden zufügen;  
mit dem acc.: संदूषिता वज्रिर्गृणोमभिदूषयेत् Suçr. 2, 443, 9. चण्डादृ-  
कसैरसुराः शिवदूषयिदूषिताः । पेतुः पृथिव्याम् Dev. 8, 37.

— उप einen Fehltritt begehen, moralisch sinken: परामृष्टा ऽप्यसं-  
क्ता नोपदूष्यन्ति योषितः HANIV. 11264.

— प्र sich verschlimmern: व्रणाः प्रदूष्यन्ति Suçr. 1, 83, 16. verun-  
reinigt werden: अपि सा पूयते तेन न तु भर्ता प्रदूष्यति MBh. 12, 1237.  
तदूर्ध्वं प्रदूष्यते Jāñ. 3, 19. einen Fehltritt begehen, moralisch sinken:  
अवृत्तिकर्षिता हि स्त्री प्रदूष्येति स्थितिमत्यपि M. 9, 74, 11, 177. BHAG. 1,  
41. schlecht werden gegen (प्रति), sich vergehen an: अथ चेत्सर्वतः तत्र  
प्रदूष्येद्वाक्काणं प्रति MBh. 12, 2935. — partic. प्रदूष्य schlecht, böse: यद्य  
पन्था (in übertr. Bed.) प्रदूष्यः MBh. 5, 1224. दुराचारान्यदा राजा प्रदू-  
ष्टान्न नियच्छति 12, 4540. स्त्री ausschweifend, liederlich 2, 2134. R. 2,  
7. अप्रदूष्टा Jāñ. 3, 269. क्रीणीधैतास्तृणकेनापि राजप्रतिग्रहस्ते यदि  
धीमन्प्रदूष्टः wenn dir die Annahme eines Geschenkes als sündhaft er-  
scheint MBh. 1, 3666. — caus. 1) verderben, angreifen, verunreinigen:  
(दोषाः) गुदमागम्य प्रदूष्य बलीर्मासप्ररोहान् जनयति Suçr. 1, 258, 7.  
2, 80, 9. जलं प्रदूषितम् 1, 170, 15. जल, हृदय VARAH. BRH. S. 12, 9. लगदो-  
षेण दूषितः MBh. 5, 5064. वेदिमय रक्तविन्दुभिः प्रदूषिताम् Ragh. 11,  
25. — 2) arg machen so v. a. übertreiben: तस्यास्तद्वचनं श्रुत्वा स्त्री-  
स्वभावप्रदूषितम् R. 3, 31, 5. — 3) Jmd schlecht machen, einer Schlech-  
tigkeit zeihen, beschimpfen: अदूष्टं मां प्रदूषयन् R. GORR. 1, 61, 21.

— अभिप्र caus. verderben, angreifen: दोषाः समूर्ध्विता मासमभिप्रदूष्य  
Suçr. 1, 287, 17.

— विप्र. partic. f. विप्रदूष्टा sehr ausschweifend, liederlich M. 9, 72, 11,  
176. Jāñ. 2, 278. विप्रदूष्टभावो von überaus böser Gemüthsart M. 2, 97.

— संप्र sich verschlimmern, schlecht werden: सन्दूषिते वक्रौ ग्रहणौ  
संप्रदूष्यन्ति Suçr. 1, 443, 15. धस्ते धर्मे परिषत्संप्रदूष्येत् MBh. 2, 2897.  
संप्रदूष्ट verunreinigt: सलिलं VARAH. BRH. S. 12, 14.

— प्रति caus. partic. प्रतिदूषित verunreinigt: न भिन्नभाटे भुञ्जीत  
न भावप्रातिदूषिते welches man für verunreinigt halten könnte M. 4, 65.

— वि caus. verderben, verunreinigen: प्रिया तृणानि मे कपिवर्जिता व्य-  
दूष्यत् RV. 10, 86, 5. मा नः पथो विदूष्यः (als Erklärung von मा पथो  
वि दुक्तः RV. 7, 4, 7). Nir. 3, 2. न दृग्मय गुणैर्विदूष्यते Bhāg. P. 5, 19, 12.  
विषयाविदूषिताया 2, 2, 37. मतिर्विदूषिता देवैः 4, 9, 32. in den Augen  
Anderer schlecht machen, beschimpfen: न्यूनाङ्गाश्चाधिकाङ्गाश्च नोपका-  
सैर्विदूषयेत् Māh. P. 34, 47. मातृविदूषितं durch die Mutter mit einem  
Makel behaftet, blossgestellt R. GORR. 2, 78, 8. — Vgl. विदूषक.

— सम् sich verunreinigen: न संदूष्यति तत्कृत्वा MBh. 12, 4009. संदूष्ट  
böse, schlecht, von einer Person R. 3, 31, 27. eine böse Absicht gegen  
Jmd (gen.) habend: यदि यास्यति संदूष्टा रामस्यान्तिष्ठकर्मणः । नेयं स्व-